आदर्श प्रश्नपत्र

कक्षा- बारहवीं पूर्णांक- 100

विषय- हिंदी (केंद्रिक) समय - 3 घंटें

निर्देश - 1. इसमे कुल तीन खंड (क, ख, एवं ग) हैं तथा चौदह प्रश्न हैं ।

2. सभी प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखिए ।

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ्कर पूछे गए प्रश्नोँ के उत्तर दीजिए - 15

देश प्रेम है क्या ? प्रेम ही तो है । इस प्रेम का आलम्बन क्या है ? सारा देश अर्थात मनुष्य पशु, पक्षी, नदी, नाले, वन, पर्वत सहित सारी भूमि । यह प्रेम किस प्रकार का है? यह साहचर्यगत प्रेम है । जिनके बीच हम रहते है, जिन्हें बराबर आँखों से देखते है, जिनकी बातें बराबर सुनते रहते है, जिनका हमारा हर घडी का साथ रहता है । सारांश यह है कि जिनके सान्निध्य का हमें अभ्यास पड जाता है, उनके प्रति राग या लोभ हो सकता है । देश प्रेम यदि वास्तव में यह अंतकरण का कोई भाव है तो यही हो सकता है । यदि यह नहीं है तो वह कोरी बकवास या किसी और भाव के संकेत के लिए गढा हुआ शब्द है ।

यदि किसी को सचमुच अपने देश से प्रेम है तो उसे अपने देश के मनुष्य, पशु, पक्षी, लता, गुल्म, पेड,पत्ते ,वन, पर्वत, नदी , निर्झर आदि सबसे प्रेम होगा वह सबको चाह भरी दृष्टि से देखेगा , वह सबकी सुध करके विदेश में आसूँ बहाएगा । जो यह भी नहीं जानते कि कोयल किस चिडिया का नाम है ,जो यह भी नहीं सुनते कि चातक कहा चिल्लाता है, जो यह भी आँख भर भी नहीं देखते आम प्रणय सौरभ पूर्ण मंजरियों से कैसे लदे हुए है, जोयह भी नहीं देखते की किसानो के झोपडों के भीतर क्या हो रहा है वे यदी द्स बने ठने मित्र के बीच प्रत्येक भारतवासी की औसत आमदानी का पता बताकर देश प्रेमका द्वा करे तो उनसे पूछना चाहिए कि भाईयों बिना रूप परिचय का यह प्रेम कैसा ? जिनके दुख सुख के तुम कभी साथी नहीं हुए, उन्हें तुम सुखी देखना चाहते हो यह कैसे समझे उनसे कोसों दूर बैठे बैठे या पडे पडें या खडें खडे तुम बिलायती बोली में ‘ अर्थशास्त्र की दुहाई दिया करो पर प्रेम का नाम उसके साथ न घसीटो ‘ प्रेमा हिसाब किताब नहीं है । हिसाब किताबकरने वाले भाडे पर भी मिल सकते है पर प्रेम करने वाले नहीं ।

हिसाब किताब से देश की दशा का ज्ञानमात्र हो सकता है । हित चिंतन और हित साधन की प्रवृत्ति कोरे ज्ञान से भिन्न है । वह मन के वेग या भाव पर अवलंबित है, उसका संबंध लोभ या प्रेम से है , जिसके बिना अन्य पक्ष में आवस्यक त्याग का उत्साहहो नहीं ही साकता जिसे ब्रज की भूमि से प्रेन होगा वह इस प्रकार कहेगा -

नैनन सों रसखान जबै ब्रज के वन, बाग, तडाग निहारौ

कोटिक वे कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारों ।

रसखान तो किसी की ‘लकुटी अरू कामरिया’ पर तीनों पुरों का राजसिंहासन तक त्यागने को तैयार थे, पर देश प्रेम की दुहाई देने वालो में से कितने अपने किसी थके मांदे भाई फटे पुराने कपडों पर रीझ कर या कम से कम न खीझ कर बिना मन मैला किये कमरे का फर्श भी मैला होने देंगे ?मोटे आदमियों , तुम जरा सा दुबले हो जाते- अपने अंदेशें से ही सही -तो न जाने कितनी ठठरियों पर मांस चढ जाता ।

(क) प्रेम हिसाब किताब नही है - में क्या व्यंग्य है ? 2

(ख) सहचर्यगत प्रेम का क्या आशय है ? 1

(ग) देश प्रेम के लिए पहली आवश्यक्ता क्या है ? 2

(घ) विलायती बोली के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?1

(ङ) लेखक की नजरों में रसखान देश प्रेमी क्यों है ?2

(च) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(छ) सानिध्य का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 1

(ज) नकारात्मक वाक्य बनाइए - 1

1. यह प्रेम किस प्रकार का है ?
2. भाइयों, बिना रूप परिचय का यह प्रेम कैसा ?

(झ) दो तत्सम शब्द लिखिए । 1

(ञ)देश प्रेम तथा राजसिंहासन का सामासिक विग्रह कीजिए । 1

(ट) मोटे आदमियों का संबोधन किसके लिए हुआ है ? 1

(ठ) वन का दो पर्यायवाची लिखिए । 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नॅा के उत्तर दीजिए - 5

भू के मानचित्र पर अंकित त्रिभूज, यही क्या तू है?

नर के नभश्च्रण की दृढ कल्पना नहीं क्या तू है ?

वेदों का ग्याता निगुढ़ताअओं का चिर ग्यानी है

मेरे प्यारे देश नहीं तू पत्थर है पानी है

जड़ताओं में छिपे किसी चेतन को नमन करू मैं

किसको नमन करू मैं भारत किसको नमन करू मैं

तू वह नर ने जिसे बहुत ऊँचा चढकर पाया था ;

तू वह, जो संदेश भूमि का अंबर से लाया था

तू वह जिसका ध्यान आज भी मन सुरभीत करता है

थकी हुई आत्मा में उड़ने की उमंग भरता है

गंध निकेतन इस अदृश्य उपवन को नमन करू मैं

किसको नमन करू मैं भारत किसको नमन करू मैं

(क)यह कविता किसे सम्बोदित है और कवि के मन मैं क्या समस्या है ? 1

(ख) भारत के बारे मैं यह क्यों कहा कि वह पत्थर सा कठोर नहीं वरण पानी सा तरल है ? 1

(ग)भारत को भू के मानचित्र पर अंकित त्रिभूज क्यों कहा गया है ? 1

(घ)कविता के आधार पर भारत की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 1

(ङ)भारत के ध्यान करने भर से मन 'सुरभित कैसे हो जाता है ? 1

खंड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए - 5

(क) मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी

(ख) हूँ मजदूर मगर निर्माता

(ग)उपभोक्ता संस्कृति और भारतीय समाज

(घ)वैज्ञानिक प्रगति और मानव जीवन

4. अपराधी तत्त्वों के राजनीति में आने से लोकतंत्र को खतरा हो सक्ता है - इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संपादक, नवभारत टाइम्स, बहादुरशाह जफरमार्ग नई दिल्ली को पत्र लिखिए ।

अथवा

बढ चढकर दावा करने वाले और भ्रामक प्रचार करने वाले विज्ञापनों से ग्राहकों , उपभोक्तओं को होनेवाली परेशानी का उल्लेख करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । दो सुझाव भी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए- 5

(क)भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला ? 1

(ख) क्या कारणा है कि रेडियो को श्रोताओँ से संचालित माध्यम माना जाता है?1

(ग) एंकर पैकेज से क्या समझते है?1

(घ) नेट सांउण्डसे क्या समझते है?1

(ङ) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट से क्य समझते है?1

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर आलेख लिखिए-

(1) गाँव से शहरों की ओर बढ रहा पलायन

(2) भारत की परम्पराओं पर हावी होती पाश्चात्य संस्कृति

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में फीचर आलेख लिखिए-

उधार संस्कृति अथवा गुम होता बचपन

खंड ग

8 निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ्कर पूछे गए प्रश्नँ के उत्तर लिखिए -

रुद्ध कोष है , क्षुब्ध तोष
अंगना अंग से लिपटे भी
आतंक - अंक पर काँप रहे है।
धनी वज्र गर्जन से बादल ।
त्रस्त नयन मुख ढाँप रहे
जीर्ण बाहु , है शीर्ण शरीर ,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर
चूस लिया है उसका सार
हाड मात्र ही है आधार ,
ऐ जीवन के पारावार ।

(क) बादल के लिए “विप्लव के वीर” और जीवन के पारावार संबोधनों का प्रयोग क्यों किया गया है। 2

(ख) कृषक अधीर होकर किसे बुला रहा है और क्यों ? 2

(ग) धनी शोषक वर्ग अपनी विलासिता के बीच भी आतंकित है ऐसा क्यों? 2

(घ) कवि द्वारा उकेरे गए किसान के बिंबको अपने शब्दों में चित्रित कीजिए ? 2

अथवा

कविता एक खिलता है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूला क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूला क्या जाने
कविता एक खेल है बचों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(क) कविता रचने और फूल खिलने में क्या समानता है ? 2

(ख) कवि ने कैसे समझाया है कि कविता के प्रभाव की कोई सीमा नहीं होती? 2

(ग)'विन मुरझाए महकना' और सब घर एक कर देने का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(घ)'कविता एक खेल है बच्चों के बहाने'- का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

9 निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

जाने क्या रिश्ता है , जाने क्या नाता है
जितना भी उडेलता हूँ,भर भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह ऊपर तुम
मुसकाना चाँद ज्यों धरती पर रात भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है ।

(क) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) कवि की श्रृंगार भावना पर प्रकाश डालिए । 2

(ग) भाषा सम्बधी किन्हीं दो विशेषताओं के बारे में लिखिए । 2

अथवा

हम हों या किस्मत हो हमारी दोनों को एक ही काम मिला
किस्मत हमको रो लेवे है हम किस्मत को रो ले है ।
जो मुझको बदनाम करे है काश वे इतना सोच सके

मेरा परदा खोले है या अपना परदा खोले है

(क) प्रस्तुत गजल की दो भाषिक विशेषताओ के बारे में लिखिए । 2

(ख) प्रस्तुत काव्यांश की प्रथम दो पंक्तियों की व्यंजना स्पष्ट कीजिए । 2

(ग)भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए - मेरा परदा खोले है या अपना परदा खोले है । 2

10 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3+3=6

(क)'छोटा मेरा खेत' कविता में बीज गल गया नि:थेष से क्या तात्पर्य है ?

(ख)'आत्मा परिचय' कविता में फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ - में फिर भी का मर्म स्पष्ट कीजिए ।

(ग) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करूण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?

11 निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ्कर पूछे गए प्रश्नोँ के उत्तर दीजिए-

इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज है । कभी कभी कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती है , हम आज देश के लिए करते क्या है ? माँगे हर क्षेत्र में बडी - बडी है पर त्याग का कही नाम निशान नहीं है । अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है । हम चट्खारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बाते करते है पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे है । काले मेघा दल के दल उमडते है ,पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है , बैल पियासे के पियासे रह जाते है ? आखिर कब बदलेग़ी यह स्थिति ?

(क) कौन सी बात लेखक के मन पर ज्यों की त्यों दर्ज है और क्यों ? 2

(ख) लेखक को देश संदर्भ में कौन सी बात कचोटती है ? 2

(ग) अंतिम पंक्तियों में काले मेघा किसके प्रतीक है ? सप्रमाण बताइए। 2

(घ) पानी बरसने पर भी गगरी क्यों फूटी रह जाती है ? बैल क्यों प्यासे रह जाते है? 2

अथवा

शिरीष तरू सचमूच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगे जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती है । इस चिलक्ती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है । क्या यह बाह्य परिवर्तन धूप वर्षा , आँधी, लु - अपने आप में सत्य नहीं है ? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लुट-पाट , खुन-खच्चर का बंवडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है । अपने देथ का एक बूडा रह सका था । क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है । शिरीष वायुमंड्ल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है । गाँधी भी वायुमंड्ल से रस खींचकर इतना कोमल

और इतना कठोर हो सका था । मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हुँ तब-तब हूक उठ्ती है - हाय, वह अवधूत आज कहा है ।

(क)शिरीष का पेड लेखकके मन में कैसी प्रतिक्रिया जागता है ? 2

(ख) शिरीष को अवधूत क्यों कहा गया है ? 2

(ग) गाँधी के लिए 'कोमल' और 'कठोर' दोनों विशेषणों का प्रयोग करना कैसे संगत है? 2

(घ) प्रक्रति के बाहय परिवर्तनों का साम्य भारतीय समाज की विशेषताओं के साथ किस प्रकार बिठाया गया है ? 2

12 निम्नलिखित में से किन्ही चारप्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3+3+3+3=12

(क) दो कन्याओं को जन्म देने के बाद भी भक्तिन पुत्र की इच्छा में अंधी अपनी जिठानियों की घ्रणा एबं उपेक्षा की पात्र बनी रही । इस प्रकार की उदाहरण भारतीय समाज में अभी भी देखने को मिलता है । इसका कारण और समाधान भी प्रस्तुत कीजिए ।

(ख) बाजारूपन' से क्या तात्पर्य है ? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते है अर्थात बाजार की सार्थकता किसमें है ?

(ग) महामारी फैलने के बाद गाँव में सूर्योदय और सूर्यास्त के द्दश्य में क्या अंतर होता है ?

(घ) 'चार्ली चैप्लिन यानी हम सब' पाठ में लेखक मनुष्य को मूलत: चार्ली माना है , सुपर मैंन नहीं क्यों?

(ङ) नमक कहानी में भारत और पाकिस्तान की जनता के आरोपित भेदभाओं के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है , कैसे ?

13 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

'सिल्बर वैडिंग' कहानी में एक ओर स्थिति को ज्यों का त्यों स्वीकार लेने का भाव है तो दूसरी ओर अनिर्णय की स्थिति भी । कहानी के इस द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए ।

14 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

I. ''ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवन दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल - पुथल का भी । इन पृष्टों में दोनों का फर्क मिट गया है ।'' इस कथन विचार व्यक्त करते हुए अपनी सहमति या असमति तर्कपूर्वक व्यक्त करें ।

II. 'आप कैसे कह सकते है कि 'जूझ' कहानी के प्रमुख पात्र की छूटी हुई पढ़ाई फिर से शुरू करने में उसकी माँ का भी हाथ था ?